मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 264, मुंबई, शुक्रवार, 10 दिसंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

केंद्र ने मानी हार

किसान आंदोलन की समाप्ति का हुआ ऐलान

संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर विरोध कर रहे किसानों ने आखिरकार अपने सालभर से जारी आंदोलन को समाप्त करने का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही 14 महीनों से सीमाओं पर दते हुए किसान गुरुवार शाम से अपने घरों की तरफ जाना शुरू कर सकते हैं। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

किसानों ने मनाना जश्न

11 दिसंबर से अन्नदाताओं की होगी घर वापसी

मृतक किसानों के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

इसके अलावा, पंजाब की तर्ज पर हरियाणा और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों ने भी मृतक किसानों के परिजनों को 5 लाख रुपये का मुआवजा और नौकरी देने पर सहमति जताई है। अंत में, केवल एसकेएम नेताओं को एमएसपी समिति में शामिल करने की मांग – राज्यों, केंद्र के अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों के अलावा – को भी पूरा किया गया है। इससे पहले, किसान यह भी मांग कर रहे थे कि केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा, जिनके बेटे आशीष पर लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आरोपी है उन्हें बर्खास्त किया जाए। हालांकि, केंद्र को भेजे गए अंतिम मांग प्रस्ताव को देखते हुए, एसकेएम के पांच सदस्यीय पैनल ने उस बिंदु को हटा दिया था।

● **IBG Potboiler** ने यह साबित कर दिया कि 100 से अधिक **Referrals** और अनगिनत नंबरों का आदान प्रदान किया गया, इस कार्यक्रम में विकाश मित्तरसैन (बिजनेस गुरु), दिलशाद एस. खान (संपादक – दै. मुंबई हलचल), अर्चना जैन (अध्यक्षा – फ्लोरियन फाउंडेशन), श्रेयांस जैन और अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

हेलिकॉप्टर हादसे पर विपक्ष का सवाल

संजय राउत ने कहा–इस हादसे को लेकर लोगों के मन में संदेह है, पीएम और रक्षा मंत्री इसे दूर करें

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। तमिलनाडु के कुन्नूर में वायुसेना के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत का निधन हो गया। उनके साथ उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य कर्मचारी भी अब इस दुनिया में नहीं रहे हैं। हेलिकॉप्टर हादसे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में गुरुवार को बयान दिया। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई: चर्चगेट स्टेशन के निकट लगी आग

कोई हताहत नहीं

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। दक्षिण मुंबई में व्यस्त चर्चगेट रेलवे स्टेशन के बाहर बृहस्पतिवार को आग लग गई, हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। नगर निकाय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आग स्टेशन के दक्षिणी छोर पर गेट नंबर तीन के पास दोपहर करीब 1 बजकर 45 मिनट पर कूड़े के ढेर में लगी। अधिकारी ने कहा, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि आग नगर निकाय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले स्टेशन परिसर के बाहर लगी। चर्चगेट स्टेशन मुंबई उपनगरीय रेलवे की पश्चिमी लाइन पर स्थित एक टर्मिनस है।

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मिले जो सबक

कुन्नूर में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और सैन्य अधिकारियों की मौत बहद दुखद है। पर्याप्त सावधानी और तैयारी के बावजूद हुआ यह हादसा विस्तृत जांच की मांग करता है। सेना इसकी विस्तार से जांच करेगी और इसके कारण भले ही बहुत स्पष्ट रूप से देश के सामने न आएं, लेकिन सेना को इतना तो सुनिश्चित करना ही होगा कि ऐसे हादसे की नौबत फिर न आए। अफसोस, उतरने से कुछ ही देर पहले बीच जंगल में यह हादसा हुआ है, जिसमें पांच से अधिक सैन्य अधिकारियों की जान चली गई है। यह एक ऐसा हादसा है, जिसकी चर्चा आने वाले कई दशकों तक होती रहेगी। ऐसे हादसे न केवल इतिहास को नया मोड़ देते हैं, जरूरी सुधार के लिए विवश भी करते हैं। यह देखने वाली बात है कि क्या एमआई-17 देश का सबसे सुरक्षित हेलीकॉप्टर है? क्या यह सच है कि इस ब्रांड के हेलीकॉप्टर छह से अधिक बार परेशानी का कारण बन चुके हैं या दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं? क्या यह सही है कि चालीस से ज्यादा लोगों की मौत इससे जुड़े हादसों में पहले हो चुकी है? अब विश्वसनीय माने जाने वाले इस हेलीकॉप्टर की गुणवत्ता को नए सिरे से जांच लेना चाहिए। क्या यह हवाई वाहन सेवा के लिए मुफीद है? भारत की गणना दुनिया में सक्षम अर्थव्यवस्थाओं में होने लगी है, हम सैन्य मामलों में भी कतई अभावग्रस्त नहीं हैं। अतः देश में विशेष रूप से विशिष्ट लोगों की सुरक्षा और संसाधनों से कोई समझौता नहीं करना चाहिए। हवाई उड़ानों या कहीं पहुंचने की जल्दी से ज्यादा जरूरी है सवारियों की सुरक्षा। हवाई यात्राओं को दुनिया में सबसे सुरक्षित यात्राओं में गिना जाता है, क्योंकि इन यात्राओं की सुरक्षा को सोलह आना सुनिश्चित करने का प्रावधान तय है! क्या इस हादसे में सुरक्षा संबंधी किसी प्रावधान से समझौता किया गया था? मामला सेना का है, तो उसे अपने ही स्तर पर जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। सेना की कमियों पर गोपनीयता की यथोचित चादर स्वाभाविक है, लेकिन सेना अपनी सुरक्षा ऐसी रखे कि किसी के लिए उंगली उठाने की गुंजाइश न रहे। समय के साथ एकाधिक पुराने या खटारा होते विमानों को विदा किया गया है और नए विमानों को बेड़े में शामिल किया गया है। अब जरूरी है कि उन विमानों या हेलीकॉप्टरों को भी परखा जाए, जिनका उपयोग सेना अपने आवागमन के लिए करती है। भारत विशाल देश है और तरह-तरह की सीमाओं से घिरा है। कहीं बर्फ की चादर है, तो कहीं ठोस पहाड़ियां, तो कहीं घने जंगल, तो कहीं विशाल सागर। ऐसे तमाम मोर्चों पर सैन्य अधिकारियों को जाना पड़ता है और उनकी यात्राओं में पहले की तुलना में ज्यादा इजाफा हुआ है। सेना की सक्रियता इसलिए भी बढ़ी हुई है, क्योंकि भारत एकाधिक सीमाओं पर सीधे तनाव के रूबरू है। अब समय आ गया है, जब कोताही की रत्ती भर गुंजाइश न छोड़ी जाए। एक-एक भारतीय का जीवन बहुमूल्य है और उसमें भी एक-एक जवान का जीवन तो अनमोल है। सरकार को पूरी तैयारी के साथ सामने आना चाहिए और देश को आश्वस्त करना चाहिए कि ऐसे हादसे फिर नहीं होंगे। जिन अधिकारियों की मौत हुई है, उन्हें हम तभी सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे, जब हम इस हादसे से जरूरी सबक लेंगे और अपने आपको को पहले की तुलना में ज्यादा मजबूत करेंगे।

सांसद अपना कर्तव्य निभाएं

प्रधानमंत्री ने भले ही यह कहा है कि सांसद जनता के लिए काम करें, लेकिन संसद में संसद का काम सुचारु रूप से चले और उसमें सांसद अपना कर्तव्य निभायें, यह भी सांसदों का ही काम है...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों को सदन की कार्यवाही में शामिल होने को लेकर चेताया है.उन्होंने कहा है कि सदन की कार्यवाही में वे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और जिम्मेदारी व कर्तव्य का भलीभांति निर्वहन करें। प्रधानमंत्री का अपने दल के सांसदों को संसद के सत्र में नियमित रूप से भाग लेने के लिए चेतावनी देना अपने आप में बहुत असाधारण बात है।

असाधारण होने का सबसे पहला कारण तो यह है कि जो लोग चुनकर संसद सदस्य बनते हैं, क्या वो इतने अपरिपक्व हैं कि उनको ये बताने की जरूरत पड़नी चाहिए कि संसद के सत्र में भाग लेना उनका धर्म है या उनकी जिम्मेदारी है। यदि इस तरह के लोग संसद सदस्य बन रहे हैं, तो हम नागरिकों को इस बात पर बहुत गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

हालांकि, एक हिसाब से देखें, तो ये अजीब बात भी नहीं है। बार-बार ऐसा देखने में आता है कि विधानसभा के चुनाव के बाद जो दल बहुमत में होता है, वह अपने विधायकों को किसी बस में बिठाकर किसी रिसॉर्ट में ले जाकर वहां उनको लगभग बंदी बनाकर रखता है। ताकि वे दल-बदल के चक्कर में न फंसें। यहां विधायकों को यह सोचना चाहिए कि उनका अपना अस्तित्व क्या है? उन्हें अपने दल के अधिकारियों, नेताओं से यह नहीं कहना चाहिए कि मैं एक जिम्मेदार नागरिक हूं और मैं जो ठीक समझूंगा वो करूंगा। लेकिन हमारे राजनीतिक वर्ग में इस तरह की बातें तो बिल्कुल खत्म हो गयी हैं, कोई इस बारे में सोचता भी नहीं है।

अब बात संसद की। मैं बहुत दुख के साथ यह कहना चाहता हूं कि करीब दस वर्ष हो गये हैं, संसद के अस्तित्व को कमोबेश बिल्कुल खत्म किया जा चुका है। मेरा मानना है कि संसद को न चलने देना और पहले से फैसला करके और उसकी घोषणा करके संसद को चलने से रोकना लोकतंत्र के खिलाफ सबसे बड़ा विश्वासघात (ट्रीजन) है। जब एक दल विपक्ष में होते हुए संसद को न चलने देने को अपना राष्ट्रीय कर्तव्य समझता है और फिर जब वही दल सत्ता में आता है, तो उस समय उसके सांसदों का संसद के सत्र में भाग लेना बहुत महत्वपूर्ण बात हो जाती है।

यह बात समझ से परे है। एक और प्रमुख बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों में संसद का कार्यकाल या संसद में जिस तरह काम होना चाहिए, जैसे पहले होता था कि संसद में जो बिल आया उस पर चर्चा होती थी, सांसद बिल को विस्तार पूर्वक पढ़ते थे, फिर उस पर चर्चा होती थी, वह बिल्कुल खत्म हो गया है। अब तो संसद में सत्र शुरू होने के बाद सांसदों को बिल दिया जाता है और फिर पांच-दस मिनट के बाद वह पारित हो जाता है।

मेरी समझ से अब संसद रबर स्टांप होकर रह गयी है। पिछले कुछ वर्षों में संसद में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर अच्छी और तर्कपूर्ण चर्चा हुई ही नहीं है। संसद में लोग सिर्फ हाथ उठाने जाते हैं, ऐसे में सांसद संसद में जायें, या न जायें, क्या फर्क पड़ता है। एक बात और, जब हाथ उठवाने की जरूरत होती है, तब हर एक दल अपना-अपना व्हिप जारी करते हैं। और इसी व्हिप की डर से सांसद वहां चले जाते हैं और हाथ खड़ा कर देते हैं। इस प्रकार संसद की महत्ता को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है।

संसद में चर्चा न होना और संसद में चर्चा न होने देना, चाहे सत्तारूढ़ पक्ष की तरफ से हो, या विपक्ष की तरफ से, देश और लोकतंत्र के विरुद्ध इससे बड़ा कोई अपराध नहीं हो सकता। मेरे हिसाब से जो लोग संसद की कार्यवाही को जानबूझकर, योजना बनाकर बाधित करते हैं, उसे नहीं होने देते, उनकी सदस्यता खत्म करना या सदस्यता सस्पेंड करना तो एक बात है, उनके ऊपर संसद के खिलाफ ट्रीजन यानी विश्वासघात के महाभियोग का मुकदमा चलना चाहिए। क्योंकि इससे ज्यादा नुकसान देश और देश के लोकतंत्र को नहीं हो सकता है।

प्रधानमंत्री द्वारा सांसदों को सदन में उपस्थित रहने को कहने की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी। सांसदों को यह पता नहीं है क्या? ऐसा कहने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि सांसद जिम्मेदारी से काम नहीं करते। एक प्रश्न यह भी उठता है कि यदि सांसद जिम्मेदारी से काम नहीं करते हैं, तो क्या उन्हें सांसद बने रहने का अधिकार है? कहने का अर्थ है कि कोई एक लाख लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहा है और वह अपना काम सही तरीके से नहीं कर रहा है। यह बहुत अजीब बात है।

सांसद कोई बच्चे तो हैं नहीं, ये भी नहीं है कि उनको समझ नहीं है, तो उन्हें ये बात कहने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। लेकिन यह बहुत दुख की बात है कि सांसदों को यह बताना पड़ रहा है, या इस बात की चेतावनी देनी पड़ रही है कि वे संसद के सत्र में उपस्थित रहें। एक बात और, जो दल सत्ता में होता है, उसका भी यह कर्तव्य होता है कि वह संसद को सही तरीके से चलाये। लेकिन यदि सत्तारूढ़ दल संसद में चर्चा होने ही नहीं देना चाहता, तो ऐसे में संसद में होने वाले हंगामे के कारण भी बहुत से सांसद यहां आना नहीं चाहते होंगे।

हो सकता है कि वे अपने क्षेत्र में जाकर काम कर रहे हों। प्रधानमंत्री ने भले ही यह कहा है कि सांसद जनता के लिए काम करें, लेकिन संसद में संसद का काम सुचारु रूप से चले और उसमें सांसद अपना कर्तव्य निभाएं यह भी सांसदों का ही काम है। सिर्फ हाथ खड़ा करना और शोर मचाना ही उनका काम नहीं है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बाईपास से सटा झंडे वाले बाबा परिसर में ईनानियों द्वारा किया जा रहा है धड़ल्ले से नशे का कारोबार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जहां मुंब्रा पुलिस एक और नशे का कारोबार कर रहे सौदागरों को धर दबोचने के लिए दिन रात एक कर रही है। मुंब्रा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहीरे के चोरे ने एनडीपीएस के पीएसआई हर्षद काले को हाई अलर्ट पर रखा है। कोई भी गुप्त सूचना मिले तो नशे के सौदागरों को उनके अंजाम तक पहुंचाने में एक पल की भी देरी ना करें। लेकिन इतनी कड़ी नशा प्रतिबंधित कार्रवाई होने के बावजूद भी बाईपास से सटे झंडे वाले बाबा परिसर में नशे के सौदागर आज भी बेखौफ निडर होकर अपने कारोबार करने में मगन है। इन लोगों को पुलिस का बिल्कुल भी खौफ नहीं है। बेखौफ होकर चरस गांजा एमडी कोरेक्स जैसे अमली नशीले पदार्थों का बिक्री निडरता से कर रहे हैं। यह नशीले पदार्थों का कारोबार करने वाले अपनी दबंगई के कारण स्थानिक रहिवासियों की नाक में दम कर रहे हैं। इनके नशे के कारोबार के कारण कम उम्र के बच्चे दिन रात नशे में लिप्त होते नजर आ रहे हैं और आए दिन कोई न कोई खूनी वारदात को मामूली बात पर अंजाम दे रहे हैं। यह बच्चे अपनी जिंदगी का विनाश तो कर ही रहे हैं साथ-साथ अपने परिवार का भी सर्वनाश कर रहे हैं, तो हम मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहीरे के चोरे से निवेदन करते हैं कि जो यह नशे का कारोबार कर रहे हैं उन पर तुरंत कानून की गाज गिराई जाए, ताकि कोई दूसरा अमली नशा पदार्थ बेचने का कारोबार करने के लिए एक हजार बार सोचे। यह आपसे निवेदन है और हम आशा करते हैं कि हमारे द्वारा किया गया निवेदन पर आप जल्द से जल्द कार्रवाई कर नशे के सौदागर को इनके अंजाम तक पहुंचाएंगे।

नवी मुंबई के तुर्भे एमआईडीसी में लगी भीषण आग

संवाददाता/समद खान

नवी मुंबई। नवी मुंबई के तुर्भे परिसर में डी/207 बीएमडब्ल्यू कार सर्विस सेंटर में आग लगने का मामला प्रकाश में आया है। आग लगने की सूचना मिलते ही एमआईडीसी कोपरखैरना नेरुल से दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाने की भरपूर कोशिश की जा रही थी। परंतु भीषण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वर्कशॉप में मौजूद तमाम बीएमडब्ल्यू गाड़ियों को और वर्कशॉप को स्वाहा कर दिया। दमकल कर्मचारी द्वारा 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन आग लगने का कारण अभी सामने नहीं आया है। कयास लगाया जा रहा है कि शार्ट सर्किट होने की वजह से आग लगी होगी। इस भीषण आग ने बीएमडब्ल्यू की अलग-अलग मॉडलों की 40 से 45 गाड़ियों को स्वाहा कर दिया वर्कशॉप को पूरी तरह से जलाकर राख कर दिया फि लहाल तुर्भे पुलिस स्टेशन ने आगजनी का मामला दर्ज कर लिया है आग कैसी लगी किन कारणों की वजह से आग लगी इसका पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है इस आगजनी में माली नुकसान तो बहुत हुआ है लेकिन राहत की बात यह है कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है।

मुंबई: मॉनसूनी बीमारी का कहर

5 दिनों में मिले 118 मरीज

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मौसम का बदलता मिजाज और बेमौसम बारिश का असर मुंबईकरों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। महज 5 दिनों में मलेरिया, डेंगी और गैस्ट्रो के 118 मरीज मिले है। हालांकि लेप्टो, हेपेटाइटिस, एच1एन1 और चिकनगुनिया बीमारी नियंत्रण में है। मुंबईकर गर्मी-सर्दी और बेमौसम बारिश की मार कई बार झेल चुके हैं। मौसम के इस बदलते मिजाज के चलते मुंबईकरों को अभी मॉनसूनी बीमारी की मार झेलनी पड़ रही है। सबसे अधिक जोर मलेरिया का दिख रहा है। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, इस माह 5 दिनों में मलेरिया के 56 मरीज मिले हैं, जबकि डेंगी के 12 मरीज मिले हैं। इसके अलावा महज 5 दिनों में गैस्ट्रो से 50 मुंबईकर प्रभावित हुए हैं। नवंबर में इन बीमारियों का अधिक प्रकोप था। नवंबर के 30 दिनों में मलेरिया से 326, डेंगी से 106 और गैस्ट्रो से 313 लोग बीमार पड़े थे। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए बीएमसी विभिन्न उपाय योजना कर रही है, लेकिन इसे नियंत्रित नहीं कर पा रही है। इन बीमारियों को छोड़कर लेप्टो, चिकनगुनिया और एच1एन1 को एक हद तक बीएमसी का स्वास्थ्य विभाग नियंत्रित कर पाया है।

दिसंबर में लेप्टो और एच1एन1 के एक भी मरीज नहीं मिले

दिसंबर में अभी तक लेप्टो और एच1एन1 के एक भी मरीज नहीं मिले हैं। इस माह के पांच दिनों में हेपेटाइटिस के 4 और चिकनगुनिया के सिर्फ 2 मरीज ही मिले हैं। बीएमसी की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे ने बताया कि इन बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए बीएमसी की ओर से विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। लोगों के बीच इन बीमारियों को लेकर जनजागृति भी की जा रही है।

तेज आवाज में संगीत बजाने पर व्यक्ति ने पड़ोसी की हत्या की

मुंबई। मुंबई में एक व्यक्ति ने घर के बाहर तेज आवाज में संगीत बजाने और आवाज कम करने से इनकार करने पर 40 वर्षीय पड़ोसी की हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना बुधवार रात मालवानी इलाके के अंबुजवाड़ी मोहल्ले में हुई। अधिकारी ने कहा कि मृतक की पहचान सुरेंद्र कुमार गुन्नार के रूप में हुई है। वह अपनी झुग्गी के बाहर बैठकर रिकॉर्डर पर गाने सुन रहा था। गुन्नार के पड़ोसी सैफ अली चांद अली शेख (25) ने उससे आवाज कम करने के लिये कहा, लेकिन गुन्नार ने इससे इनकार कर दिया। अधिकारी ने कहा कि शेख ने कथित रूप से गुन्नार पर हमला कर उसे जमीन पर पटक दिया। बहुत खून बह जाने से गुन्नार बेहोश हो गया। गुन्नार को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने कहा कि बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

केंद्र ने मानी हार

दरअसल, केंद्र की मोदी सरकार की ओर से मिले नए प्रस्ताव पर किसान संगठनों में सहमति बन गई थी, लेकिन गुरुवार दोपहर को इस पर लंबी चर्चा के बाद फैसला हुआ। इसके साथ ही सिंघु बॉर्डर का दृश्य किसानों की घर वापसी का संकेत दे रहा है, सभी लोग रहने के लिए लगाए गए टेंट हटाने लगे हैं और लंगर आदि का सामान गाड़ियों में रखा जाने लगा है। जानकारी के मुताबिक किसान अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में अरदास करेंगे और अपने घरों को लौट जाएंगे। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधि बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा, 15 जनवरी को एक समीक्षा बैठक होगी। राजेवाल ने कहा कि 15 जनवरी को होने वाली समीक्षा बैठक में इस बात पर विचार किया जाएगा कि 14 महीने तक चले इस आंदोलन से हमने क्या पाया है और केंद्र सरकार ने कितनी मांगों को मान लिया है। उन्होंने साथ ही कहा कि 11 दिसंबर से किसान लौटना शुरू कर देंगे और 15 दिसंबर तक पंजाब में भी सभी मोर्चे खत्म हो जाएंगे। राजेवाल ने कहा कि मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने हमारी इस लंबी लड़ाई में हमारा साथ दिया है। केंद्र सरकार द्वारा कृषि आंदोलन के दौरान और पराली जलाने के लिए दर्ज सभी मामलों को वापस लेने के लिए सहमत होने के बाद किसानों के विरोध को वापस लेने पर सहमति बनी थी। विरोध कर रहे किसानों के अनुसार सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि वह एसकेएम या संबंधित किसान संघों के साथ परामर्श के बाद ही बिजली संशोधन विधेयक पेश करेगी।

हेलिकॉप्टर हादसे पर विपक्ष का सवाल

उन्होंने बताया कि हादसे में बचे अकेले शख्स ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को वेलिंगटन के मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। वे लाइफ सपोर्ट पर हैं और उन्हें बचाने की कोशिशें जारी हैं। रक्षामंत्री के इस बयान के बाद विपक्ष संतुष्ट नजर नहीं आ रहा। शिवसेना सांसद संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि जब देश का सर्वोच्च सेनापति सुरक्षित नहीं तो देश का क्या होगा? उन्होंने कहा कि Mi-17V5 रूस में निर्मित एक अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर था। बिपिन रावत देश की सैन्य आधुनिकीकरण जिम्मेदारियों के संदर्भ में काम कर रहे थे। वह चीन और पाकिस्तान के संदर्भ में की गई कार्रवाइयों में शामिल थे। पुलवामा के बाद लश्कर-ए-तैयबा के खिलाफ कार्रवाई में उनका अहम योगदान रहा। शिवसेना सांसद ने आगे कहा कि ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। देश के सर्वोच्च सेनापति सबसे अत्याधुनिक व सुरक्षित हेलीकॉप्टर में यात्रा करते हैं और हादसे में उनकी मृत्यु हो जाती है। लोगों के मन में शंकाएं हैं, क्या हुआ है, ये कैसे हो सकता है? लेकिन लोगों के मन में शंकाओं का समाधान करना प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी है। इसकी जांच होनी चाहिए। मुझे यकीन है सरकार भी इस सदमे से बाहर नहीं आई होगी। इस हादसे को लेकर एलजेपी (राम विलास) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि ये बेहद दुखद हादसा है। ये शायद इतिहास की पहली घटना होगी कि जिसमें इतने बड़े पद पर कोई व्यक्ति है और उनकी इस तरह मृत्यु हो जाए। मुझे लगता है कि इस मामले की सख्ती से जांच होनी चाहिए। इसके पीछे क्या कारण है ये लोगों के सामने जरूर आना चाहिए। आप नेता संजय सिंह ने कहा, सीडीएस बिपिन रावत जी, उनकी पत्नी और बाकी लोगों के प्रति मैं संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ये एक चिंता का विषय है कि इतने सुरक्षित विमान में ऐसी घटना कैसे हो गई। इसके लिए पीएम और रक्षामंत्री जरूर कोई कदम उठाएंगे जिससे ये हादसा क्यों हुआ इसका पता चल पाए।

सातारा जिले में स्ट्रॉबेरी की सैंकड़ों एकड़ फसल हुई बर्बाद, खेतों में भरा पानी

सातारा। पुणे और सातारा में पिछले 4 दिनों के दौरान हुई बेमौसमी बारिश ने स्ट्रॉबेरी की फसल को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। अचानक आई बारिश से जावली तालुका के भुतेकर पंचगनी, भिलार, महाबलेश्वर क्षेत्र में सैंकड़ों हेक्टेयर स्ट्रॉबेरी की फसल बर्बाद हो गई है। खेतों में पानी भर जाने के कारण फसल सड़ने लगी है, जिसके बाद अब किसानों के पास इन्हें फेंकने के अलावा अब दूसरा कोई चारा नहीं बचा है। यहां के किसानों का कहना है कि हमारी फसलों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अभी तक नुकसान की भरपाई के लिए इसका पंचनामा भी सरकार की ओर से नहीं करवाया गया है। किसानों का कहना है कि नए साल पर महाबलेश्वर में भारी संख्या में पर्यटक आते हैं, लेकिन इस बार फसल के खराब हो जाने के कारण स्ट्रॉबेरी महंगे दामों में बिक्री के लिए उपलब्ध होगी।

नेहरू युवा केंद्र संघटना महाराष्ट्र और गोवा के राज्य निर्देशक ने किया डॉ कविता श्रीवास्तव मालती प्रकाशन यशवंत मान खेडकर ओएसडी और सभी का स्वागत

मुंबई। फेयरवेल कार्यक्रम श्रीमती मालती प्रकाशन लेखा एवं कार्यक्रम सहायक, डॉ कविता श्रीवास्तव उपनिदेशक मुंबई नेहरू युवा केंद्र मुंबई का सिक्किम राज्य में राज्य निर्देशक प्रभारी के रूप में विदाई समारोह तथा महाराष्ट्र और गोवा के राज्य निर्देशक श्री प्रकाश बनोरे साहब एवं श्री यशवंत मान खेड़कर साहब का नेहरू युवा केंद्र मुंबई में उपनिदेशक के रूप में स्वागत समारंभ दिनांक 8 नवंबर 2021 को बड़ी धूमधाम से श्रीमती मालती प्रकाशन लेखा एवं कार्यक्रम सहायक डॉ कविता श्रीवास्तव उपनिदेशक मुंबई नेहरू युवा केंद्र मुंबई का सिक्किम राज्य में राज्य निर्देशक प्रभारी के रूप में विदाई समारोह तथा महाराष्ट्र और गोवा के राज्य निर्देशक श्री प्रकाश बनोरे साहब एवं श्री यशवंत मान खेड़कर साहब का नेहरू युवा केंद्र मुंबई में उपनिदेशक के रूप में स्वागत समारंभ दिनांक 8 नवंबर 2021 को बड़ी धूमधाम से हुआ कार्यक्रम को निर्देशानुसार महाराष्ट्र और गोवा के राज्य निर्देशक प्रकाश मनु रे साहब ने अपने भाषण से सभी नेहरू युवा केंद्र की ऑफिसर और बच्चों का मन जीत लिया उन्होंने बताया कि इतना अच्छा कार्यक्रम इसके पहले नेहरू युवा केंद्र मुंबई में नहीं हुआ था विदाई समारोह वेलकम समारंभ और डॉ कविता श्रीवास्तव अपने पूरे 2 साल की एक्सपीरियंस सभी के सामने इजहार किया और अपने भाषण में कहा पूरे साल अगर कोई सबसे ज्यादा मेरा सहायक बना है तो वह योग गुरु राधेश्याम जैसवार जी हैं और डॉक्टर कविता श्रीवास्तव जी ने कहा कि मैं जब मुंबई आई नेहरू युवा केंद्र में तब मुझे यहां मराठी भाषा का सामना करना पड़ा मुझे वह बहुत सारी चीजें सीखने मिली मुंबई में जो मैंने कभी नहीं सीखा था नई नई चीजों का सामना करना पड़ा और मालती मैडम जी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया और अपने लफ्जों में डॉ कविता श्रीवास्तव जी ने कहा की बहुत डायरेक्टर हमने देखे लेकिन प्रकाश मनोरे जैसा डायरेक्टर मैंने आज तक नहीं देखा और उनके बारे में बताया मैडम ने बताया कि मुझे कभी प्रॉब्लम नहीं आने दिया और मेरा सब काम आसान होता अभी तक चले आया और यशवंत जी के बारे में भी दो शब्द मैडम ने कहें उनका साथ अच्छा मिला और उनकी वजह से मैं मुंबई में काम करने मिला और आज मैं मेरा प्रमोशन सिक्किम में हुआ मेरा बहुत ही अच्छा हुआ मैं बहुत खुश हूं और हमारे जितने भी वॉलिंटियर हैं उन्होंने भी मेरा साथ दिया एक्स वॉलिंटियर ने ज्यादा साथ दिया मदन जी संजय जी और सभी एन वाई के के ऑफिस पर मेरा साथ अच्छे से निभाया योग गुरु राधेश्याम की जितनी तारीफ करुं उतना कम है राधेश्याम ने हर वक्त मुझे फील्ड वर्क में मेरा साथ दिया और हर कार्यक्रम में आगे बढ़ चढ़कर काम करने वाले योग गुरु राधेश्याम है द हुमन योगा फाउंडेशन के सभी सदस्य हरदम सहयोग दिए है मनीषा मैडम दल्वी मैडम यह सभी लोगों ने मेरा अच्छा सा दिया है।

विपिन रावत के निधन पर पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के पदाधिकारियों ने शोक जताया

मुंबई हलचल / संवाददाता

भीलवाड़ा (राजस्थान)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ विपिन रावत व सभी अधिकारियों के आकस्मिक निधन पर पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के पदाधिकारियों ने शोक व्यक्त किया हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्दन सिंह चौहान ने कहा कि देश ने सेना के कुशल नेतृत्व को खो दिया है। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ ने कहा कि विपिन रावत की सेना की कामयाब नितियों के कारण दुश्मन थर थर कांपते थे उनका निधन बहुत ही दुःखद है! महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष के. बी. सुखवाल ने कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूर्णीय क्षति है। राष्ट्रीय सचिव द्रविड़ कुमार चौहान ने कहा कि देश ने बहुत बड़ा सैन्य अधिकारी खो दिया है। राष्ट्रीय सचिव हेमंत ठाकुर ने कहा कि ऐसा सेना का कुशल नेतृत्वकर्ता का यूँ असमय चले जाना देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान हैं। गौरतलब हैं कि तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के कुन्नूर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ विपिन रावत सहित वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों को ले जा रहा सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 14 वरिष्ठ रक्षा अधिकारी विमान में सवार थे और हेलिकॉप्टर सुलूर एयरबेस से वेलिंगटन के लिए उड़ान भर रहा था।

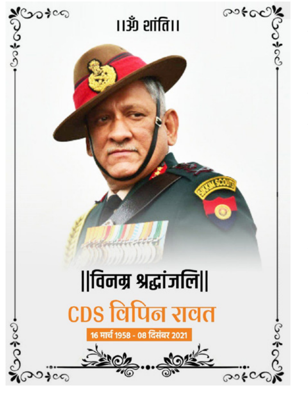

● मुंबई कॉंग्रेस के सचिव डॉ त्रिलोकी मिश्रा से प्रेरित ईशान्य मुंबई कॉंग्रेस के सचिव भरत सिंह की अगुवाई में ब्लॉक १२२ (पवई) के विभिन्न राजकीय पक्षों से संबंधित विश्रुत शर्मा, राजन करबे एवं कृष्णा बिस्सागोनी ने अपने तमाम कार्यकर्ताओं के साथ महाराष्ट्र कॉंग्रेस कमीटी के कार्याध्यक्ष मो. आरिफ (नसीम) खान की उपस्थिति में कॉंग्रेस में प्रवेश किया। ब्लॉक १२२ के कॉंग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी विजय तिवारी, महेश लिपचा, गणेश शिंदे, राधे रमण मिश्रा, किशोर खंडागले, अजमत अली, रमेश शर्मा, अमीन शेख आदि ने इस बात की खुशी जाहिर करते हुये इन सभी का कॉंग्रेस पार्टी में स्वागत किया।

महाकाल ग्रुप ने किया समाज सेवी आशीष भंडारी को सम्मानित

महाकाल ग्रुप ने भगवान गणपति बप्पा की मूर्ति आशीष भंडारी को दी

मुंबई। विले पार्ले महाकाल ग्रुप के अध्यक्ष अनंत चौहान शिवसेना शाखा क्रमांक 85 के शाखा प्रमुख अनिल सखाराम मालप भूतपूर्व सैनिक किशोर राउत एडवोकेट अजय वर्मा ने समाज सेवक आशीष भंडारी को सम्मानित किया। 21 नवंबर 2021 को आशीष भंडारी को मुंबई अचीवर्स अवार्ड (एमएए) महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी जी के हाथों राज्य भवन मुंबई में दिया गया। इस खुशी के अवसर पर महाकाल ग्रुप की पूरी टीम शिवसेना शाखा प्रमुख अनिल मालक जी ने आशीष भंडारी को सम्मानित करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने आशीष भंडारी को पुष्पगुच्छ सोल देकर उनका सत्कार किया। आशीष भंडारी ने महाकाल ग्रुप की पूरी टीम व शिवसेना शाखा प्रमुख कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोग का दिल से धन्यवाद अदा किया और कहा जो कुछ भी मुझे मिला है यह सब आप लोगों का प्यार है आशा करता हूं जीवन भर मुझे आप सभी लोगों से इसी प्रकार प्यार मिलता रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने मैं योगदान दिया महाकाल ग्रुप अध्यक्ष अनंत चौहान शिवसेना शाखा प्रमुख अनिल सखाराम मालप एडवोकेट अजय वर्मा बबलू सरफरे किशोर राउत रामेश्वर भगत अमर यादव संतोष झा बसंत पटेल इत्यादि।

आदिवासी महिलाओं की पानी ढोने की परेशानी हुई हल

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3141 की पहल

मुंबई। मायानगरी कही जानेवाली देश की आर्थिक-वाणिज्यिक राजधानी मुंबई में जहां हर तरफ वैभव-संपन्नता और लक्ष्मी जी की अनंत कृपा के भव्य दर्शन होते हैं, वहीं दूसरी ओर मुंबई से बिलकुल सटे पालघर जिले के दुर्गम आदिवासीबहुल इलाकों में स्थिति यह है कि कुपोषण, भुखमरी, पेयजल किल्लत, पर्याप्त औषधोपचार का अभाव समेत तमाम परेशानियों का यहां बसेरा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जनसेवा में जुटे संगठन रोटरी ने कई तरह की मुसीबतों से जूझ रहे इन इलाकों के आदिवासियों की समस्याएं सुलझाने की दिशा में पहल की, जिसमें वॉटरव्हील का वितरण सबसे उल्लेखनीय रहा। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3141 और अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत पालघर जिले के विक्रमगढ़, सफाले, मोखाडा, जांभुलपाड़ा, मारवण, पोले गांव आदि परिसरों सहित मनोर के आस्था अस्पताल में क्रमशः जयपुर फूट, वॉटरव्हील प्रोजेक्ट, फ्रूट प्लांटेशन, एकल विद्यालय का मुआयना, सिनेटरी पैड वितरण, अनाज वितरण और मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। मेगा मेडिकल कैंप के तहत नाक-कान-गला, हृदयरोग, यकृत विकार, अस्थिरोग, जनरल फीजिशियन, डेंटल, स्त्रीरोग, मोतियाबिंद जांच व ऑपरेशन आदि का समावेश था। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3141 के गवर्नर डॉ. राजेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में हुए इस बेहद लोकोपयोगी समारोह में अंबरीश दफ्तरी, राकेश मिश्रा, रोटेरियन एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती सुमन आर अग्रवाल, पालघर रोटरी के अध्यक्ष दीपेश ठाकुर, शिल्पा गोयल, भाविन, किरीट संघवी, भगवान पाटिल, श्रीगोपाल पचीसिया आदि समेत विविध विशेषज्ञ डॉक्टरों और हेल्थ वर्कर्स की टीम ने विशेष रूप से हिस्सा लिया। इस दौरान मेगा मेडिकल कैंप के 916 लाभार्थी रहे, जबकि सिनेटरी पैड के 200 किट और 315 वॉटरव्हील वितरित किए गए। समारोह में विक्रमगढ़ के विधायक सुनील भुसारा की उपस्थिति सबसे गौरवमयी रही। रोटरी क्लब ऑफ मुंबई एसेस की श्रीमती सुमन अग्रवाल ने इस दौरान बताया कि इस दुर्गम क्षेत्र में वॉटरव्हील के वितरण से कई-कई किलोमीटर दूर से पानी ढोकर लानेवाली आदिवासी महिलाओं व लड़कियों की परेशानी सुलझी है। पानी ढोकर लाने में इन महिलाओं-लड़कियों का 25 प्रतिशत समय तो बर्बाद होता है, साथ में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी, लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई की बर्बादी भी होती है वह अलग से। वॉटरव्हील के जरिए उन्हें बिना सिर अथवा कंधे पर लादे एक ही बार में 45 लीटर पानी लाने की सुविधा हासिल हुई है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3141 के विविध क्लब ने सहयोग प्रदान किया।

विपिन रावत के निधन से राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति हुई है: अनिल आर्य

मुंबई हलचल / संवाददाता

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'संस्कृति और स्वास्थ्य' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल में 325 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि सी डी एस विपिन रावत के निधन से राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति हुई है। उन्होंने सेना में नयी ऊर्जा व उत्साह का संचार किया व सेना का नवीनीकरण किया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। समस्त राष्ट्र आज दुःखी व असहाय महसूस कर रहा है। हजारों साल तक नरगिस अपनी बेनूरी पर रोती है, बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा। डॉ. सुषमा आर्या ने कहा कि व्यक्ति के खानपान रहन सहन से उसकी संस्कृति झलकती है। आयुर्वेद के अनुसार सात प्रकार के रोग माने गए हैं- मौसम परिवर्तन के कारण लू लगना, जुकाम, नजला, खांसी आदि दैवबलज- जैसे बाढ़ अकाल, प्राकृतिक आपदा आदि स्वभाव बलज- जैसे भूख प्यास, अपचन,क्रोध इत्यादि संघात बलज- चोट लगने पर, कीट पतंगे के काटने पर बीमार होना आदि इन सब का इलाज आयुर्वेद में निश्चित रूप से संभव है। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में नाभि मस्तिष्क से भी अधिक महत्वपूर्ण है नाभि शरीर का प्रथम दिमाग है नाभि में तेल डालकर। बीमारियों का उपचार संभव है। सोने से पहले यदि एरंड का तेल नाभि में दिया जाए तो मोटापा, जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नाभि पर सरसों का तेल लगाने से फायदा होता है नारियल का तेल लगाने से और जैतून का तेल लगाने से प्रजनन क्षमता बढ़ती है।गाय का घी नाभि में लगाने से आंखों का सूखापन ठीक होता है। नीम का तेल लगाने से त्वचा संबंधी रोग ठीक होते हैं। बदलते मौसम में अर्जुन की छाल का पाउडर का दूध में उबालकर सेवन करना उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है आंवला कैंडी खट्टी मीठी दोनों ही घर में बनाई जा सकती हैं और वह इम्यून सिस्टम को ठीक करती हैं सर्दियों में बालों के झड़ने को रोकने के लिए घर में ही सुंदर तेल बनाया जा सकता है 100 ग्राम सरसों का तेल,50 ग्राम नारियल का तेल दोनों को मिला दिया जाता है और मेथी के बीज का पाउडर आधा चम्मच और कड़ी के पत्ते दो चम्मच पाउडर उस तेल में मिलाकर कांच की बोतल में भरकर 5 दिन तक बाहर रखने से औषध तेल तैयार हो जाएगा जिसमें धूप और शाम दोनों मिलते रहेंगे,चेहरे की खुश्की को हटाने के लिए मलाई और शक्कर इत्यादि का प्रयोग किया जा सकता है। आर्य नेत्री अंजू बजाज व डॉ. रचना चावला ने शाकाहार अपनाने पर जोर दिया। मांसाहार हमारी संस्कृति का अंग नहीं है। गायक रविंदर गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग,रजनी चुघ,कमला हंस,प्रेम हंस, प्रतिभा कटारिया, के एल मल्होत्रा, कुसुम भंडारी, राजेश मेहंदीरत्ता आदि ने गीत सुनाए।

सुश्री पुष्पा भाटी पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी की राजस्थान प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त

मुंबई हलचल / संवाददाता

भीलवाड़ा (राजस्थान)। श्रीगंगानगर की वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ राजस्थान प्रदेश महासचिव सुश्री पुष्पा भाटी को पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी की राजस्थान प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया हैं। पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी का यह मनोनयन पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ की अनुशंसा पर महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष के. बी. सुखवाल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चन्दन सिंह चौहान की सहमति से राष्ट्रीय सचिव द्रविड़ कुमार चौहान एवं हेमंत ठाकुर ने पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी को संगठन के राजस्थान प्रदेश मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्त किया हैं। गौरतलब हैं कि सुश्री पुष्पा भाटी कई समाचार पत्रों में कार्य कर चुकी व अभी कार्यरत है। सुश्री पुष्पा भाटी ने राजस्थान प्रदेश मीडिया प्रभारी के पद पर मनोनयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्दन सिंह चौहान, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ व राष्ट्रीय सचिव द्रविड़ कुमार चौहान व हेमंत ठाकुर का दिल से आभार जताया है। सुश्री पुष्पा भाटी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि वह इस पद पर रहते हुए पार्टी की रीति नीति व संविधान के अनुसार हर संभव प्रयास करने को प्रतिबद्ध रहेगी तथा अधिकाधिक लोगों को पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी। पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी के राजस्थान प्रदेश मीडिया प्रभारी बनने पर भाटी को बधाई और शुभकामनाएँ दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना है। बधाई देने वालों में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी भैरु सिंह राठौड़, राष्ट्रीय सचिव द्रविड़ कुमार चौहान, हेमंत ठाकुर, राजस्थान की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष के. बी. सुखवाल, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भीम सिंह चौहान, नरेन्द्र सिंह किशनावत (भीलवाड़ा), रामसुख मेघवंशी आदि ने नव नियुक्त प्रदेश मीडिया प्रभारी सुश्री पुष्पा भाटी को बधाई और शुभकामनाएँ दी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पत्नी के नौकरी करने से भड़का पति

3 महीने के मासूम बच्चे को दीवार पर पटक-पटक कर मार डाला

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आउटर-नॉर्थ जिले के भलस्वा डेरी इलाके में एक पिता ने कथित तौर पर अपने 3 महीने के मासूम बच्चे की बेरहमी से दीवार पर पटक कर हत्या कर दी। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या के आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक रात को पुलिस को पीसीआर कॉल मिली थी कि मंगल बाजार रोड समता विहार में एक आदमी ने अपने 3 महीने के बच्चे को मार दिया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो 26 साल का रवि राय नशे की हालत में मिला, जो बच्चे का पिता है। बच्चे को अस्पताल ले जाया

गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।बच्चे का सिर पूरी तरह फट चुका था। पड़ोसियों ने और मकान मालिक ने बताया कि ये पति-पत्नी एक महीने पहले ही यहां किराये पर रहने आए हैं और हर रोज इनमें झगड़ा होता रहता है। पत्नी आजादपुर मंडी में काम करने के लिए जाती है और पति उसे काम करने से मना कर रहा था। दोनों में बच्चे को संभालने को लेकर अक्सर झगड़ा होता था।घटना वाले दिन इसी झगड़े के दौरान घर से महिला चिल्लाते हुए बाहर आई। उसने बताया उसके पति ने बच्चे को दीवार पर पटक-पटक कर मार दिया। पुलिस ने आरोपी रवि राय को गिरफ्तार कर मामले की जांच में जुट गई है।

पाकिस्तान में इंसानियत शर्मसार

महिलाओं के कपड़े उतरवाकर की लाठी-डंडों से पिटाई

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली। पाकिस्तान से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां के पंजाब प्रांत के फैसलाबाद में चार महिलाओं के साथ बदसलूकी की गई। बीच सड़क पर उनके कपड़े उतरवाए गए, इसके बावजूद लोग नहीं माने और लाठी-डंडो से उनकी पिटाई भी की। घटना का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। करीब एक घंटे तक चले इस घटनाक्रम में चारों महिलाएं दया की भीख मांगती हुई नजर आ रही हैं।

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि वे फैसलाबाद के एक बाजार में कूड़ा बीनने गई हुई थीं। इसी बीच उनको प्यास लगी तो वे उस्मान इलेक्ट्रिक स्टोर पर जाकर पानी की बोतल मांगने लगीं। लेकिन दुकान मालिक सद्दाम ने उन्हें दुकान से चोरी करने वाला समझ लिया और आरोप लगाकर पिटाई शुरू कर दी।

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस

इसी बीच वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने महिलाओं के कपड़े उतरवाए, उन्हें सड़क पर नंगा चलाया और उनकी पिटाई भी की। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी को गिरफ्तार भी किया गया है, मामले की जांच चल रही है।

बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन जनाब प्रोफेसर यूनुस हकीम साहब ने वायदा क्या कि गुलशन खातून के हत्यारे को इन्साफ और उन के घर वालो को उचित मुआवजा मिलेगा:अहमद हुसैन

संवाददाता

मधुबनी। बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन जनाब प्रोफेसर यूनुस हकीम साहब से जिलाध्यक्ष अहमद हुसैन अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जनतादल यूनाइटेड ने मुलाकात कर मधुबनी वार्ड नंबर 22 की गुलशन खातून की हत्या के बारे में तफसिली बातें कर उनके आश्रितों को उचित मुआवजा दिलाने और हत्यारे को सजा दिलाने के संबंध में मेरे द्वारा एक आवेदन सौंपा गया माननीय चेयरमैन साहब एक्शन में आते हुए मधुबनी डीएम और एसपी को इस मामले में उचित कार्रवाई करने हेतु आदेश करते हुए उन्होंने मुझे आश्वस्त कराया की आश्रितों को उचित मुआवजा के साथ साथ इंसाफ भी मिलेगा मोका पर जिलाध्यक्ष अहमद हुसैन अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जदयू मधुबनी ,जनाब वसीम अहमद साहब साबिक उपाध्यक्ष जनतादल यूनाइटेड अकलीयत सेल ,वगैरह मोजुद थे।

स्कैल्प पर डैंड्रफ के कारण होती है खुजली?

दादी-नानी के इस नुसखे से पाएं छुटकारा

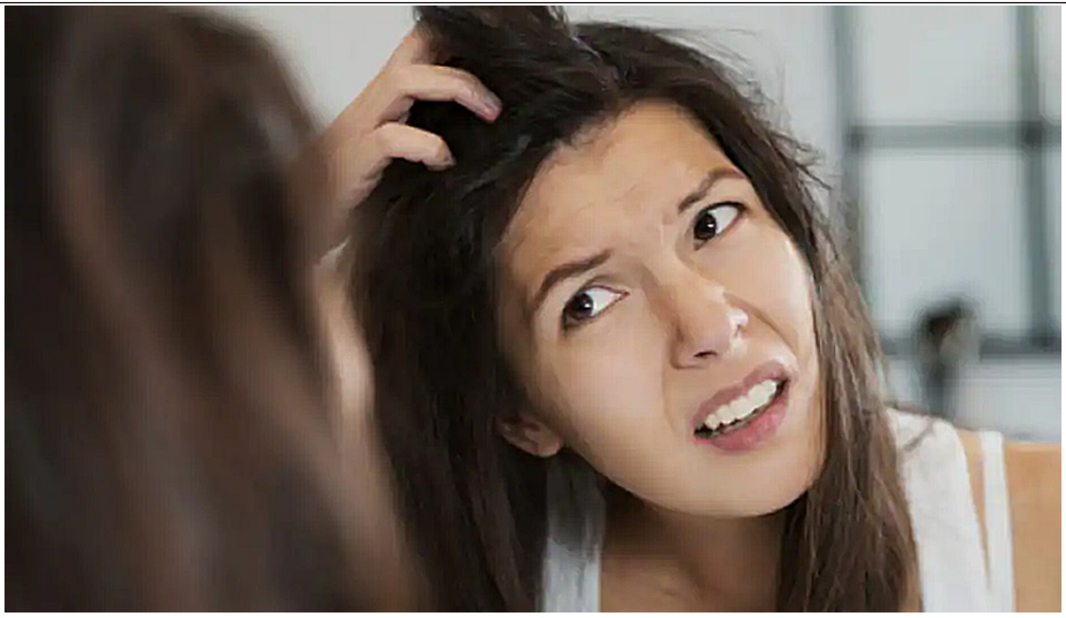

सर्दियों के मौसम में अधिकतर लोगों को डैंड्रफ की शिकायत रहती है। ऐसे में सिर पर खुजली होना, बालों का जल्दी ऑयली हो जाना जैसी परेशानी होती रहती हैं। ऐसा सूखे और फ्लैकी स्कैल्प के कारण होता है। कई लोगों के सिप पर डैंड्रफ इतना ज्यादा होता है कि वह झड़ कर कपड़ों में गिरने लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आज आपको बताने वाले हैं, दादी-नानी का एक नुस्खा जिसकी मदद से आप इस डैंड्रफ और स्कैल्प की खुजली से छुटकारा पा सकती हैं।

डैंड्रफ की समस्या

डैंड्रफ की शुरूआत धीरे-धीरे ही होती है, हालांकि शुरूआत में इन पर ध्यान नहीं दिया जाता है। लेकिन जब ये बढ़ जाता है को सिर में खुजली और बाल झड़ने लगते हैं। कई बार डैंड्रफ से संक्रमण फैलने का भी खतरा होता है। अगर आप सिर से डैंड्रफ को खत्म करना चाहते हैं तो दादी-नानी के बताए हुए इस तेल को बनाकर इस्तेमाल करें।

तेल बनाने का सामान

नारियल तेल, विटामिन ई, करी पत्ता, कपूर।

ऐसे बनाएं

इस तेल को बनाने के लिए सबसे पहले लोहे की कढ़ाही को गैस पर रखें। फिर इसमें एक कटोरी नारियल तेल डालें। तेल के गर्म होने के बाद उसमें करी पत्ता और कपूर डालें। दो मिनट धीमी आंच में तेल को अच्छी तरह से गरम करने के बाद गैस बंद कर दें। तेल को ठंडा होने दें। जब तेल हल्का गुनगुना गर्म रह जाए तो उसमें विटामिन ई की कुछ कैप्सूल डालें। इस तेल को एक बोतल में भर के रख दें।

कैसे करें इस्तेमाल

बिमार स्कैल्प की निशानी है डैंड्रफ। बालों में तेल लगाने के लिए उंगलियों में तेल लेकर स्कैल्प में अच्छे से लगाएं। स्कैल्प में अच्छे से लगाएं और मालिश करें। मालिश के बाद अच्छे से थोड़ा और तेल लगाएं और अगले दिन बालों को शैम्पू से धो लें। ऐसा करने से बालों से डैंड्रफ साफ होगा।

विंटर में आपका भी बढ़ रहा है वजन?

इन चीजों को खाना करें कम

सर्दियों के दौरान हर किसी की एक शिकायत होती है कि उनका वजन बढ़ता रहता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इस दौरान एक्टिविटी काफी कम हो जाती है और खान पान में भी फर्क आ जाता है। इस मौसम में ल ोग फ्राइड खाना पसंद करते हैं। हालांकि आप हफ्ते में दो से तीन बार ऐसा खाना खा सकते हैं लेकिन इस तरह के खाने के बाद आपको कुछ बातों का ध्यान रखना पड़ता है, जैसे एक्सरसाइज करना, गर्म पानी या ग्रीन टी पीना इन सभी चीजों से आपको फायदा मिल सकता है। हालांकि कुछ चीजों को अगर आप अवॉइड करते हैं तो मोटे होने की परेशानी से बचा जा सकता है।

स्टफ पराठें

सर्दियों के मौसम में गर्मा गर्म स्टफ पराठें शायद ही किसी को नापसंद होंगे। हालांकि अगर इन्हें कम मात्रा में खाया जाए और सही तरीके से पकाया जाए तो ये नुकसान नहीं करते हैं। लेकिन कई लोग इन्हें बहुत ज्यादा घी में सेकते हैं साथ ही पराठों को रात के खाने में शामिल करते हैं। आप सुबह के टाइम बिना घी या फिर बहुत कम घी वाले पराठें खा सकते हैं।

मिठाइयों

सर्दियों के मौसम में शादियां होती हैं। ऐसे में घरों में मिठाई के डिब्बे भी खूब इक्ट्ठा हो जाते हैं। ऐसे में मिठाइयों का सेवन बढ़ जाता है। क्योंकि इसकों खाने के बाद आप एक्सरसाइज भी नहीं करते हैं, जिसकी वजह से शरीर में कैलोरीज ज्यादा हो जाती हैं। और वजन धीरे-धीरे बढ़ता चला जाता है।

ड्राई फ्रूट्स

सर्दियों के मौसम में ये बहुत ज्यादा फायदेमंद होते हैं। लेकिन अगर इनकों बहुत अधिक मात्रा में खाया जाए तो ये फैट बढ़ा सकते हैं। इन्हें ज्यादा खाने से कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा भी बढ़ जाती है। जिसकी वजह से परेशानियां होने लगती है।

कॉफी-चाय

ठंड से बचने के लिए और शरीर को गर्म रखने के लिए लोग चाय-कॉफी ज्यादा पीते हैं साथ ही इसकी मात्रा को भी बढ़ा देते हैं। कॉफी में कैफीन की मात्रा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शादी से पहले अंकिता लोखंडे अस्पताल में भर्ती

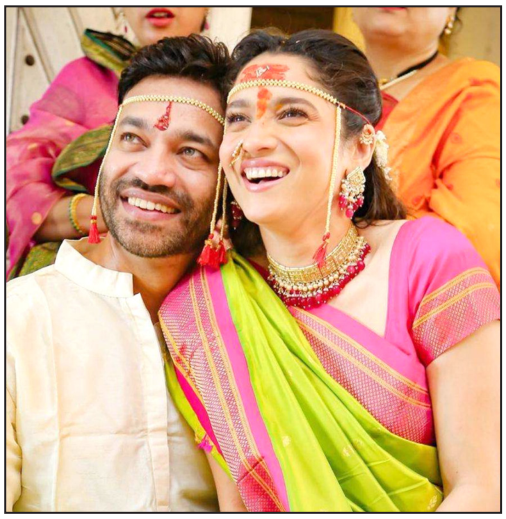

हालांकि उनकी हालत अभी ठीक है और लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। बता दें कि अंकिता अभी अपनी शादी को लेकर खबरों में छाई हुई हैं। वह खुद अपनी शादी को लेकर हर रोज अपने सोशल अकाउंट से कुछ न कुछ शेयर कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार अंकिता लोखंडे की लेग स्प्रेन हो गई थी जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अंकिता को डॉक्टरों ने बेड रेस्ट करने की सलाह दी है। फैंस के लिए राहत की खबर यह है कि अंकिता को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है वह अपने घर पर आराम कर रही हैं। मालूम हो कि अंकिता लोखंडे इसी महीने 14 दिसंबर को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड विकी जैन के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। अंकिता की दोस्त श्रद्धा आर्या ने हाल ही में दोनों की शादी कार्ड अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया था। अंकिता और विकी मुंबई का ग्रांड हयात होटल में 7 फेरे लेंगे। अंकिता ने हाल ही में अपने प्री वेडिंग फंक्शन्स का एक वीडियो शेयर किया था जो कि इंटरनेट पर जमकर वायरल हुआ। इस वीडियो में विक्की के साथ अंकिता काफी कूल लगी थीं।

पावरफुल कपल बने दीपिका-रणवीर

पावर कपल्स के मामले में भले ही इस बार कॉर्पोरेट वर्ल्ड की जोड़ी यानी मुकेश अंबानी-नीता अंबानी ताकतवर बनकर उभरी हो, लेकिन बॉलिवुड में यह बाजी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने मार ली है। जी हां, दीपिका और रणवीर बॉलिवुड के सबसे पावरफुल कपल बनकर उभरे हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन ब्रांड्स ने हाल ही एक सर्वे करवाया, जिसमें इस बार कई बॉलिवुड कपल्स शामिल हैं। इस लिस्ट में कौन-सा कपल किस पर भारी पड़ा है, आइए बताते हैं। बात सिर्फ बॉलिवुड कपल्स की करें तो पहले नंबर पर दीपिका पादुकोण-रणवीर सिंह हैं। दूसरे नंबर पर अनुष्का शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी है। इस सर्वे में 25 से 40 साल के 1362 लोगों को शामिल किया गया और उनसे कॉर्पोरेट से लेकर बॉलिवुड की दुनिया के कपल्स की कुछ विशेषताएं बताकर उनकी राय पूछी गई। इसमें दीपिका और रणवीर की जोड़ी को 86 फीसदी वोट मिले, जबकि अनुष्का और विराट को 79 फीसदी लोगों ने पावर कपल बताया। दीपिका और रणवीर की जोड़ी को सबसे ज्यादा फन लविंग, चार्मिंग और सबसे अलग आंका गया। वहीं अनुष्का-विराट को सबसे ऑथेंटिक और बेस्ट ब्रैंड जोड़ी माना गया। बीते साल भी अनुष्का-विराट और दीपिका-रणवीर के बीच कांटे की टक्कर थी। कुछ ऐसा ही इस साल भी देखने को मिला है।

मेरी फिल्मों की दुनिया बिल्कुल अलग है: अभय

बॉलिवुड ऐक्टर अभय देओल भले ही धर्मेंद्र की फैमिली से हैं लेकिन वह अपने परिवार से बिल्कुल अलग तरह की फिल्मों में काम करते हैं। अभय ने अभी तक अपने अंकल धर्मेंद्र या कजन सनी और बॉबी देओल के साथ काम नहीं किया है। हालांकि जल्द ही वह अपने भतीजे करण देओल के साथ फिल्म 'वेल्ले' में नजर आने वाले हैं। अभय देओल ने कहा है कि उन्हें अपने परिवार के लोगों के साथ काम करने के लिए धमकाया जा चुका है। अभय का कहना है कि उनकी फिल्मों की दुनिया अपने परिवार से बिल्कुल अलग है। अभय ने कहा, मुझे अपने परिवार के साथ काम करने में डर लगता है। मेरे दिमाग में हमेशा यही सोच रहती है कि- मैं अपने ताया और भाइयों के सामने कुछ और हो ही नहीं सकता हूं। उनके सामने कोई भी किरदार निभाना मुश्किल होगा। करण के साथ काम करना अलग है। वह मुझसे छोटा है और मेरा भतीजा है। मैंने उसे बड़ा होते हुए देखा है। मेरे बड़ों के साथ काम करने के बजाय उसके साथ काम करने में बहुत फ्रीडम है। अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ फिल्मों में काम किए जाने पर अभय ने कहा, जैसाकि मैंने कहा, मेरे बड़ों के सामने किसी और किरदार में आना बहुत कठिन काम है।